RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 19 सितंबर 2023 वर्ष 05 अंक 146 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

शिवसेना ठाकरे गुट की याचिका पर तीन हफ्ते बाद होगी सर्वोच्च सुनवाई

निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती

याचिका में शिंदे गुट को धनुष बाण चुनाव चिह्न आवंटित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। आयोग ने पाया था कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। शिवसेना के मूल संविधान में अलोकतांत्रिक तरीकों को गुपचुप तरीके से वापस लाया गया, जिससे पा निजी जागीर के समान हो गई। इन तरीकों को निर्वाचन आयोग 1999 मे नामंजूर कर चुका था। पार्टी की ऐसी संरचना भरोसा जगाने में नाकाम रहती है। निर्वाचन आयोग के इस आदेश के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। धनुष बाण बाल ठाकरे के समय से शिवसेना का चुनाव चिह्न रहा है।

मुंबईः सर्वोच्च न्यायालय शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट की ओर से चुनाव चिह्न पर निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर तीन हफ्ते बाद सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। उद्धव ठाकरे गुट ने निर्वाचन आयोग के उस आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है, जिसमें 17 फरवरी को शिंदे गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी गई है।

महाराष्ट्र में समय से पहले चुनाव के संकेत !

लोकसभा के साथ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की आहट

भारतीय राजनीति में सोमवार से शुरू हो रहे हैं सितंबर महीने के तीसरे सप्ताह का आकलन राजनीति के दृष्टि से बवंडर सप्ताह के रूप में किया जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लोकसभा के चुनाव समय से पहले होने जा रहे हैं और यदि ऐसा हुआ तो महाराष्ट्र में भी मध्यावधि चुनाव हो सकते हैं।

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। माना जा रहा है राज्य की उठापटक वाली राजनीतिक स्थिति से बचने के लिए महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई में इस गठबंधन के द्वारा चुनाव कराने की तैयारी का फैसला गणेश उत्सव के बाद कभी भी लिया जा सकता है। महायुति सरकार के तीन घटक दलों ने आपस में इस बात की सहमति बनाने की कोशिश की है कि यदि दिल्ली से कोई ऐसा आदेश आता है तो उसे पर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विचार किया जा सके, ताकि एक साथ कई तीर निशाने पर साधे जा सकें।

जानकारों का कहना है कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, सहित पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव के साथ लोकसभा के चुनाव की भी आहट सुनाई दे रही है। ऐसे में उसी के साथ अगर महाराष्ट्र का भी चुनाव करवा दिया जाए तो मोदी ब्रांड के नाम पर महायुति सरकार की नैया पार हो जाएगी। इसके साथ ही एकनाथ शिंदे और अजित पवार के पीछे जो विद्रोह और दलबदल की तलवार लटकी है, उसका भी स्थायी हल निकल जाएगा। महाराष्ट्र की महायुति सरकार चुनाव के बाद नया जनादेश ले लेगी और दूध का दूध का पानी का पानी हो जाएगा।

लोगों को ऐसी उम्मीद है कि अगर सब कुछ ठीक रहा था गणेश उत्सव के बाद राज्य में दिवाली जैसी आतिशबाजी देखने को मिल सकती है। ऐसे ही माहौल को लेकर सोशल मीडिया के कई हैंडल पर पिछले कई दिनों से चर्चा का बाजार गर्म है।

चुनावी रणनीतिकारों व राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और आलाकमान इस बात की तैयारी अभी से शुरू कर रहा है। सोमवार से शुरू हो रहे संसद के विशेष सत्र में इस बात की बुनियाद भी रखी जा सकती है। भारतीय जनता पार्टी के हाईकमान का मानना है कि देश में फिलहाल 2003-04 जैसा माहौल बनने लगा है।

यह माहौल ठीक उसी प्रकार का है जैसा कि इंडिया शाइनिंग के समय हो गया था। अगर इस माहौल को ठीक तरीके से हैंडल नहीं किया गया तो भारतीय जनता पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार की तरह नरेंद्र मोदी की सरकार की तीसरी बार सत्ता में वापसी पर सवालिया निशान लग सकता है। इसीलिए अटल-आडवाणी के दौर में हुई गलतियों का अध्ययन करके उसे तत्काल सुधार लेने की जरूरत है और अगर जरूरत पड़े तो इसके लिए समय से पहले चुनाव भी कर लिए जाएं।

मुंबई के चांदीवली में तेज रफ्तार बाइक के कार से टकराने से १ घायल

3 दिन में दूसरी घटना

मुंबईः मुंबई के चांदीवली इलाके से कार दुर्घटना की एक और घटना सामने आई है, जहां यू-टर्न लेने की कोशिश कर रही एक कार ने तेज रफ्तार मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में देखा जा सकता है कि सड़क के दूसरी ओर से आ रही कार कॉलोनी में प्रवेश करने के लिए यू-टर्न ले रही थी या दाईं ओर मुड़ रही थी और एक बाइक कार से टकराती है और फिर सड़क पर एक पैदल यात्री को टक्कर मार देती है। सड़क के किनारे।

घटना चांदीवली के नाहर अमृत शक्ति रोड पर हुई. बाइक के कार से टकराने और फिर हादसे में घायल होने से पैदल यात्री गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है।

हादसे में कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार एक मोड़ ले रही है, जहां सड़क के बीच में डिवाइडर के बीच जगह है और बाइक सवार को कार पर ध्यान नहीं गया या वह तेज रफ्तार में था और नियंत्रण नहीं रख सका और उसकी बाइक कार से जा टकराई। कार और पैदल यात्री जो क्षेत्र में फुटपाथ की अनुपस्थिति के कारण सड़क के किनारे चल रहे थे।

स्पीड-ब्रेकर और फुटपाथ गायब हैं

स्थानीय लोगों ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) से इलाके में फुटपाथ बनाने की अपील की है ताकि ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके जिसमें पैदल चलने वालों को चोट लगती है। पैदल यात्री सड़क के किनारे चलते समय अपनी जान जोखिम में डालते हैं और किसी भी तेज रफ्तार वाहन से टकरा सकते हैं जो उन्हें सड़क पर चलते हुए नहीं देख पाता। इलाके में फुटपाथ और स्पीड-ब्रेकर की कमी के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। सड़कों पर स्पीड-ब्रेकर बनाने की भी आवश्यकता है जहां पैदल यात्री सड़कों के किनारे से गुजरते हैं और चलते हैं।

इससे पहले इसी जगह पर एक और हादसा हुआ था

यह घटना उसी स्थान पर हुई जहां कुछ दिन पहले एक और दुर्घटना हुई थी। इससे पहले, एक नाबालिग ने अपने माता-पिता की एसयूवी ली और कार को उसी गेट से बाहर ले जाते समय, जहां यह दुर्घटना हुई, गेट से बाहर आने के बाद दाईं ओर मुड़ गया। नाबालिग ने कार से नियंत्रण खो दिया और फिर एक ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी और सड़क के किनारे चल रहे एक वरिष्ठ नागरिक को भी टक्कर मार दी। क्षेत्र में फुटपाथ विकसित नहीं होने के कारण क्षेत्र में पैदल चलने वालों को दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता है और इसलिए वे अपनी जान जोखिम में डालकर सड़कों के किनारे चलने को मजबूर होते हैं।

जोन 6 पुलिस उपायुक्त के नेतृत में एहतियातन हर पुलिस स्टेशन में निकलेगा रुट मार्च

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) हाल ही में मुस्लिमों के सब्बे मेराज और हिंदुओं के गणेश चतुर्थी का त्यौहार एक दिन आगे पीछे होने के चलते पुलिस को मुस्लिम बहुल्य इलाकों में विशेषकर गोवंडी जैसे मुस्लिम संवेदनशील इलाकों में पुलिस को कानून व्यवस्था कायम करने को लेकर चिंता सताने लगी हैं ।

परिणाम स्वरूप जोन 6 अंतर्गत आने वाले हर पुलिस स्टेशन अंतर्गत रुट मार्च का आयोजन किया जाएगा ।जिसमे बड़ी संख्या में पुलिस जवान होंगे शामिल ।

जिसको लेकर जोन 6 के पुलिस उपायुक्त हेमराज सिंह राजपूत ने मिडिया से बातचीत करते हुए कहा की लॉ एंड ऑर्डर को स्थापित करने के लिए पुलिस हमेशा की तरह इस बार भी मुस्तैद है ।हमने त्यवाहारों को देखते हुए हार्ड कोर क्रिमिनल को तड़ीपार किया है ।दूसरा और जो भी हैं आगे के करवाई के लिए कोर्ट में भी पेश करेंगे।

उल्लेखनीय तौर पर गोवंडी इलाके की। मुस्लिम और हिंदू बहुल्य जनता ने हमेशा से ही भाईचारगी की मिशाल कायम की है ।इस बार भी हिंदू और मुस्लिम भाई आपसी मोहब्बत और एकता दिखा कर अपने अपने त्यवाहारो को बड़ी ही उत्साह से मनाएंगे ।

संपादकीय / लेख

तारीख पर तारीख का सिलसिला

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

उच्च न्यायालयों और विभिन्न न्यायाधिकरणों में वर्चुअल सुनवाई इसलिए जारी रहनी चाहिए क्योंकि उससे लोगों के समय एवं संसाधन की बचत हो रही थी। तकनीक के उपयोग ने लोगों को यह विकल्प उपलब्ध कराया था कि वे चाहें तो न्यायालय के समक्ष स्वयं उपस्थित हों या फिर वर्चुअल रूप में अपने को प्रस्तुत करें। न्यायालयों में तकनीक का प्रयोग वादी-प्रतिवादी के साथ वकीलों के लिए भी सुगम था।

यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में वर्चुअल यानी आभासी सुनवाई बंद होने का संज्ञान लिया। उसने सभी उच्च न्यायालयों के साथ राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण को भी नोटिस जारी कर उनके रजिस्ट्रारों से पूछा है कि क्या वर्चुअल सुनवाई समाप्त कर दी गई है? इन सभी से यह बताने को भी कहा गया है कि यदि वर्चुअल सुनवाई बंद हो गई है तो उसके कारण क्या हैं? आखिर जब कोविड काल में वर्चुअल सुनवाई की उपयोगिता सिद्ध हो चुकी है, तब फिर इस सिलसिले को समाप्त करने का कोई औचित्य नहीं। यह ठीक है कि फिलहाल कोविड महामारी का कहीं कोई खतरा नहीं और लगभग सभी तरह के प्रतिबंध समाप्त हो चुके हैं, लेकिन उच्च न्यायालयों और विभिन्न न्यायाधिकरणों में वर्चुअल सुनवाई इसलिए जारी रहनी चाहिए, क्योंकि उससे लोगों के समय एवं संसाधन की बचत हो रही थी। तकनीक के उपयोग ने लोगों को यह विकल्प उपलब्ध कराया था कि वे चाहें तो न्यायालय के समक्ष स्वयं उपस्थित हों या फिर वर्चुअल रूप में अपने को प्रस्तुत करें। न्यायालयों में तकनीक का प्रयोग वादी-प्रतिवादी के साथ वकीलों के लिए भी सुगम था। वे कहीं पर भी रहते हुए न्यायालयों में आभासी रूप से उपस्थित हो सकते थे। इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने न्यायालयों में हाइब्रिड तरीके से सुनवाई की आवश्यकता जताई थी। यह तरीका न केवल जारी रहना चाहिए, बल्कि उसे बढ़ावा भी दिया जाना चाहिए, ताकि निचली अदालतों में मुकदमे लड़ने वालों को भी उसका लाभ मिले। आवश्यक केवल यह नहीं है कि न्यायालय तकनीक का अधिकाधिक उपयोग करें, बल्कि यह भी है कि वे उन आवश्यक संसाधनों से लैस हों, जिनसे मामलों का निस्तारण यथाशीघ्र हो सके। गत दिवस ही सुप्रीम कोर्ट की ओर से यह जानकारी दी गई कि उसकी वेबसाइट से मुकदमों की आनलाइन जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस वेबसाइट में इसका भी विवरण उपलब्ध होगा कि सुप्रीम कोर्ट में कितने मामले लंबित हैं और कितनों का निस्तारण हो चुका है? नि:संदेह इस व्यवस्था से पारदर्शिता की ओर एक कदम आगे बढ़ाया गया है, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं। बात तब बनेगी, जब तारीख पर तारीख का सिलसिला बंद होगा और लोगों को समय पर न्याय मिलेगा। इसके लिए निचली अदालतों से लेकर उच्चतर अदालतों में न्यायाधीशों की संख्या तो बढ़ानी ही होगी, उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते मामले लंबे खिंचते रहते हैं। इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि निचली अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या चार करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। यह निराशाजनक स्थिति है। इससे देश को उबारना ही होगा। इसके लिए न्यायिक तंत्र में तकनीक का उपयोग करने के साथ अदालतों के काम करने के ढर्रे को भी बदलना होगा।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

राज्य के सरकारी और स्थानीय निकायों के सभी माध्यमों के स्कूलों के लिए 'दत्तक स्कूल योजना'

मुंबई, सरकार ने 'स्कूल दत्तक' योजना शुरू करने की योजना बना ली है। इससे संबंधित प्रस्ताव को संभाजीनगर में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी गई है। योजना के शुरू होने से सरकारी स्कूल निजी हाथों में चले जाएंगे। दूसरी तरफ ईडी सरकार की इस नीति के खिलाफ शिक्षा क्षेत्र में नाराजगी झलकने लगी है।

उल्लेखनीय है कि राज्य के सरकारी और स्थानीय निकायों के सभी माध्यमों के स्कूलों के लिए 'दत्तक स्कूल योजना' लागू करने की मंजूरी शनिवार को छत्रपति संभाजी नगर में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में दे दी गई। मंजूर प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि दत्तक योजना में सीधे तौर पर कोई दान नहीं दिया जा सकता है। हालांकि, इसमें प्रावधान है कि कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एक्ट के तहत स्कूलों को दत्तक लिया जा सकता है।

'शिक्षक मुख्याध्यापक संगठन' के जानकार नेताओं का कहना है कि ढांचागत और भौतिक सुविधाओं में इंजीनियरिंग कार्य, समय की आवश्यकता वाली शैक्षणिक सामग्री, डिजिटल संसाधन, स्वास्थ्य सुविधाएं, रेन हार्वेस्टिंग, सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन जैसी नई चीजों के लिए वस्तु व सेवा के रूप में दान किया जा सकता है। सरकार की तरफ से दावा किया गया है कि राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यक्ति, संगठन या कॉर्पोरेट एजेंसियां होंगी। वे इन सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए सीएसआर के माध्यम से स्कूलों को दत्तक ले सकेंगी। शिक्षा विशेषज्ञ अरविंद वैद्य ने आशंका जताई है कि वे उसके जरिए स्कूल को बेहतर बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

इस संबंध में शिक्षक नेता माधव सूर्यवंशी ने कहा है कि कर्मवीर भाऊराव पाटील व महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा का ज्ञान घर-घर पहुंचाया। दत्तक लेनेवाली स्कूल योजना अगले कुछ वर्षों में सरकारी अराजकता का कारण बनने जा रही है, इसके बच्चों पर गंभीर परिणाम होंगे। का है।

सीएसआर के माध्यम से जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने से यह काम सही ढंग से शुरू हो जाता है। हालांकि, अब दत्तक लेनेवाली कंपनियों का नाम उस स्कूल के आगे लगाया जाएगा इसलिए यह एक बहुत ही अजीब तरह का निजीकरण है। उन्होंने आलोचना की है कि इससे शिक्षा व्यवस्था बरबाद हो जाएगी।

डिलाइल ब्रिज आखिरकार लंबी प्रतीक्षा के बाद शुरू

मुंबई, बीते पांच सालों से लंबित लोअर परेल रेलवे स्टेशन के पास डिलाइल ब्रिज की पूर्व की ओर जानेवाली एक लेन को आखिरकार लंबी प्रतीक्षा के बाद कल से खोल दिया गया। इससे लोअर परेल, करी रोड इलाकों के निवासियों के साथ-साथ दक्षिण मुंबई की ओर जानेवाले वाहनचालकों के लिए एक बहुत बड़ी सुविधा हो गई है।

इस पुल के रुके हुए काम को गति देने के लिए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता व युवासेनाप्रमुख आदित्य ठाकरे ने बार-बार तत्कालीन रेल मंत्री और मुंबई मनपा के साथ फॉलोअप किया था। इसके अलावा उन्होंने मनपा को चेतावनी भी दी थी कि इस पुल को गणेशोत्सव के पहले शुरू किया जाना चाहिए, नहीं तो हम नागरिकों के साथ इस ब्रिज को शुरू कर देंगे। इस फ्लाईओवर की लाइफ कम से कम १३० से १५० साल है। इसमें रेलवे सीमा के दायरे में ८५ मीटर लंबाई के निर्माण के लिए मनपा ने रेलवे को फंड दिया है। इस पुल के लिए मनपा १३८ करोड़ रुपए खर्च कर रही है। इसके मजबूत निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

लोअर परेल पुल पर फुटपाथ, सीढ़ियां, बस स्टॉप नहीं है। इस कारण स्थानीय लोग मनपा के प्रति नाराजगी जता रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में शिवसेना की ओर से निवासियों को साथ लेकर विरोध प्रदर्शन के साथ-साथ हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

शिवसेना नेता व युवासेनाप्रमुख आदित्य ठाकरे ने चेतावनी दी थी कि डिलाइल पुल को गणेशोत्सव से पहले शुरू किया जाए, नहीं तो हम इसे शुरू कर देंगे। इसी पृष्ठभूमि में आज शिवसेना विधायक सुनील शिंदे ने मंडल की गणेश प्रतिमा को इस पुल से ले जाने की तैयारी शुरू कर दी। इसकी जानकारी मिलते ही पालकमंत्री दीपक केसरकर यहां पहुंचे और पुल का उद्घाटन कर श्रेय लेने का प्रयास किया।

माय रमाई ट्रस्ट सामाज भूषण पुरस्कार से विभिन्न क्षेत्र की हस्तियों को किया सम्मानित

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) माय रमाई ट्रस्ट के माध्यम से सामाज भूषण सम्मान 2023 दिनांक 16-9-20223 को एक कार्यक्रम का आयोजन कर के दिया गया है । वही अवार्ड कार्यक्रम की मुख्य आयोजक शिंदे मैडम , डॉ.अमर चोरे ने बड़े ही भव्य पैमाने पर आयोजन किया था । जिसमे महाराष्ट्र भर से बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथियों के अलावा जनता उपस्थित थी ।

गौरतलब हो की डॉ बाबासाहब आंबेडकर भवन पुणे में सामाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 15 हस्तियों को सामाज भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया ।

बताते हैं की हर वर्षा समाज मे समाजिक मुद्दो पे निडर ओर सफल काम करने वाले हस्तियों को इस सम्मान के लिए चुना है । कहा जाता है की महाराष्ट्र भर से तकरीबन 15 लोगों को इस सामान प्रदान किया गया है । जिसमें पूर्वी उपनगर के चर्चित सामाज सेवक विजय थोराट को भी सामाज भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया है ।

सामाज सेवक विजय थोराट को मुंबई की जनता कोरोना लॉक डाउन में अपनी संस्था के सहयोग से जरूरतमंदों के बीच बड़े पैमाने पर अन्ना धान का वितरण किया था । वहीं आज हाई कोर्ट ने जिस जहर उगलने वाली एस एम एस कंपनी को गोवंडी से तड़ीपार करने की नींव आंदोलन मोर्चे के तौर पर विजय थोराट ने अपने संस्था के कार्यकर्ताओ के बल पर रखी थी । जिसको लेकर माननीय न्यायालय ने जनता हक में फैसला सुनाकर जनता की जीत का मार्ग प्रशस्त किया । ऐसे सामाज के लिए बहुत से आंदोलन के जरिए सामाज की जनता की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष उठाकर सुलझाने का प्रयास करते चले आ रहे है फिर चाहे लोटस कॉलोनी एच ब्लॉक की बहुचर्चित पानी की पाइप लाइन बिछाने का मामला ही क्यों न हो सब कार्यों में सफलताका झंडा गाढ़ा है ।

मुंबई में लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर नया प्लेटफॉर्म, 100 मीटर लम्बी सड़क का निर्माण

मुंबईः मध्य रेलवे ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर ट्रेनों की क्षमता बढ़ाने के लिए एक नया प्लेटफॉर्म बनाने का फैसला किया है। एलटीटी में दो नए प्लेटफॉर्म के साथ 4 स्टेबलिंग लाइन यानी ट्रेनों का निर्माण किया जा रहा है. परियोजना के लिए 100 मीटर लंबी सड़क का निर्माण किया गया है। प्रोजेक्ट का 35 फीसदी काम पूरा हो चुका है.

...इन कार्यों को पूरा करें

- पाइल फाउंडेशन के साथ 100 मीटर लंबी पिटलाइन का निर्माण पूरा। पिटलाइन का उपयोग ट्रेनों के रखरखाव और मरम्मत के लिए किया जाता है।
- 2.25 लाख लीटर क्षमता की दो छत वाली पानी की टंकियों का निर्माण कराया जाएगा। एक टंकी का कार्य पूरा हो चुका है तथा दूसरे टंकी का कार्य प्रगति पर है।
- 4.5 लाख लीटर की भूमिगत जल टंकी का निर्माण पूरा।
- 4 पुरानी स्टेबलिंग साइडिंग को तोड़ने का काम पूरा हो चुका है।
- कैंटीन भवन का निर्माण, 1200 वर्ग मीटर गैराज का कार्य पूर्ण।
- 1200 मीटर में से 729 मीटर तटबंध की दीवार का निर्माण पूरा हो चुका है

...ये काम जारी हैं

- नए दो प्लेटफार्म पर कवर ओवर शेड का काम चल रहा है।
- 7,000 वर्ग मीटर डामर सड़कों का प्रावधान है और निर्माण कार्य प्रगति पर है.

लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर दो नए प्लेटफॉर्म के पूरा होने से 24 कोच वाली ट्रेनों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी। एक छुरा घोंपने वाला रास्ता यार्ड में अव्यवस्था को तोड़ने में मदद करेगा।

वर्तमान में प्लेटफॉर्म -5
नये तटबंध के बाद कुल संख्या - 7
खर्च- 64.10 करोड़ रुपये
काम की मौजूदा स्थिति - 35 प्रतिशत काम पूरा
समय सीमा- 2024
वर्तमान में दैनिक रेल यातायात - 25 मेल-एक्सप्रेस जोड़े
यात्री - प्रतिदिन 30 से 35 हजार
प्रवेश - 8
वामपंथी शासन वाले देश में युवा लड़के देश का काम करते हैं, भारतीय लड़के जयंती मनाने में व्यस्तः सूरज एंगड़े
...ऐसा ही होगा
-वर्तमान में लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर मेल एक्सप्रेस के लिए 5 प्लेटफॉर्म हैं। -
प्रत्येक प्लेटफार्म 10 मीटर चौड़ा और 960 मीटर लंबा है।
- फिलहाल 2 नए प्लेटफॉर्म और 4 स्टेबलिंग कॉरिडोर का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

चूहे को पकड़ने में खर्च किए ४१ हजार रुपए, तीन साल में पकड़े केवल १८४ चूहे

मुंबई, भारतीय रेलवे पर चूहे भारी पड़ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, रेलवे डिब्बों में खुलेआम घूमने वाले चूहों को मारने अथवा पकड़ने के लिए ६९ लाख रुपए खर्च किए गए हैं। गंभीर बात यह है कि इतने पैसे खर्च करने के बाद पिछले तीन साल में केवल १८४ चूहे ही पकड़े गए हैं। उत्तर रेलवे के लखनऊ खंड के इस खर्च का खुलासा सूचना के अधिकार के तहत हुआ है। इसका हिसाब लगाने पर पता चलता है कि एक चूहे को पकड़ने में करीब ४१ हजार रुपए का खर्च आता है।

इन चूहों को पकड़ने का ठेका सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन को दिया गया था। कंपनी ने चूहों को पकड़ने के लिए एक योजना लागू की। पिछले तीन साल यानी १०९५ दिनों में अधिकारियों ने सिर्फ १८६ चूहे ही पकड़े, यानी एक चूहे को पकड़ने में कंपनी को औसतन साढ़े छह दिन लगे। इस प्रकार की शुरूआत २०२० में हुई थी। उस साल अधिकारियों ने २३.२ लाख रुपए की लागत से ८३ चूहे पकड़े। २०२१ में ४५ चूहे पकड़े गए। इसकी लागत प्रति चूहे ५१ हजार आई। २०२२ में ४० चूहे पकड़े गए और प्रति चूहा ५७ हजार ९०० रुपये का खर्च आया।

आरटीआई में इस तरह के खुलासे के बाद भ्रष्टाचार की आशंका जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर गुस्सा जाहिर किया जा रहा है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

असामाजिक तत्वों सहित राष्ट्रविरोधी तत्वों की शरारत या आतंकी हमले के खतरे की आशंका

मुंबई, महाराष्ट्र व मुंबई के सबसे बड़े त्योहार गणेशोत्सव के लिए मुंबई पुलिस पूरी तरह से तैयार हो गई है। देशभर से लाखों गणेश भक्त बाप्पा के दर्शन के लिए मुंबई आते हैं। त्योहार के दौरान कोई अप्रिय घटना न घटे, यह सुनिश्चित करने के लिए मुंबई पुलिस ने काफी तैयारियां की हैं। सुरक्षा-व्यवस्था चाक-चौबंद करने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है। इसके लिए हजारों पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इस साल पुलिस की मदद के लिए मुंबई के हर गणेश मंडल में पुलिस द्वारा 'गणसेवक' नियुक्त किए जाएंगे। मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर ने बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति के साथ हुई बैठक में यह निर्णय लिया है। इसके साथ ही भीड़ वाले मंडलों पर सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी रखी जाने वाली है। गौरतलब हो कि मुंबई सहित राज्यभर में गणेशोत्सव बड़े स्तर पर धूम-धाम से मनाया जाता है। इस १० दिवसीय उत्सव में किसी तरह की परेशानी न हो और पुलिस तथा गणेश मंडल के कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के लिए बड़े मंडलों में २० और छोटे मंडलों में १० गणसेवकों की नियुक्ति का यह निर्णय लिया गया है।

क्योंकि छोटे-बड़े गणेशोत्सव मंडलों में भी बाप्पा के दर्शन के लिए भक्त बड़ी संख्या में जुटते हैं। साथ ही भगवान गणेश के जुलूस में आगमन और प्रस्थान के समय भी बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। ऐसी स्थिति में असामाजिक तत्वों सहित राष्ट्रविरोधी तत्वों की शरारत या आतंकी हमले के खतरे की आशंका हमेसा बनी रहती है।

ट्रैफिक समस्या से लगातार जूझ रहे हैं धारावी के लोग

मुंबई, धारावी की आबादी १० लाख से अधिक है और सड़कें अभी भी वही पुराने तरीके की हैं, जिससे ट्रैफिक जाम ज्यादा हो जाता है। प्रशासन को कई बार पत्र दिए जा चुके हैं लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। आप तस्वीर में देख सकते हैं कि किस तरह से सायन स्टेशन के सामने स्थित सिग्नल बंद होने के बावजूद लोग गाड़ी लेकर चले जाते हैं। इससे दूसरी ओर से आनेवाली गाड़ियों को रास्ता नहीं मिलता और जाम का माहौल हो जाता है। मुंबई के सेंट्रल लाइन के इलाकों से वेस्टर्न लाइन के उपनगरों को जोड़ने वाला मुख्य रोड धारावी से होकर ही जाता है। इसी मुख्य सड़क पर फेरी वाले डबल लाइन में हाथगाड़ी लगा कर धंधा करते हैं, जिससे ट्रैफिक जाम लगा रहता है। रमाकांत गुप्ता का कहना है कि इसके लिए कई बार आवाज उठाई जा चुकी है, पत्र दिए जा चुके हैं लेकिन कोई ठोस कारवाई नहीं हो रही है।

प्रशासन इन लोगों को हटाता है वे उसके कुछ दिनों बाद वहीं पर दोबारा पहुंच जाते हैं। इसलिए यहां कोई ठोस व्यवस्था करने की आवश्यकता है। रमाकांत गुप्ता के अनुसार, यहां अवैध फेरीवालों की भरमार हो गई है, जिसे लेकर 'धारावी बचाओ आंदोलन समिति' की ओर से कार्रवाई की मांग की गई थी।

निपाह वायरस के मरीज मिलने के बाद लोगों को एहतियात बरतने की अपील

मुंबई, कोरोना महामारी के बाद अब निपाह ने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। केरल में निपाह वायरस के मरीज मिलने के बाद लोगों को एहतियात बरतने की अपील की जा रही है। इसी के साथ अब बांग्लादेशी स्ट्रेन को लेकर देश के जाने-माने महामारी विशेषज्ञ रमन गंगाखेडकर ने चेताया है। उन्होंने कहा कि यह स्ट्रेन इतना ज्यादा खतरनाक है कि यह संक्रमित १० में से ९ लोगों की जान ले सकता है। विशेषज्ञ गंगाखेडकर ने कहा कि इस बात का पता लगाना बहुत ज्यादा जरूरी है कि यह वायरस देश में कहां से आया है। बता दें कि कोझिकोड जिले से शुरू हुआ संक्रमण अब ३० से अधिक शहरों में बढ़ गया है। राज्य में बिगड़ते हालात को देखते हुए पड़ोसी राज्यों को भी अलर्ट कर दिया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सभी से अपील की है कि प्रभावित क्षेत्रों में फिलहाल अनावश्यक यात्रा करने से बचें और इस वायरल संक्रमण से बचाव के लिए प्रयास करते रहें। निपाह वायरस के संक्रमण के कारण मृत्यु दर ४०-७० फीसदी के बीच देखी जा रही है, जिसके कारण स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता और भी बढ़ गई है।

१३ सितंबर को केरल की शिक्षा मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा था कि राज्य में जो निपाह

वायरस मिला है, उसकी पहचान बांग्लादेश के स्ट्रेन से हुई है। रमन गंगाखेडकर ने कहा कि यह स्ट्रेन पहले सांस संबंधी परेशानी शुरू करता है और फिर मरीज को वेंटीलेटर तक पहुंचा देता है। बांग्लादेशी स्ट्रेन कितना ज्यादा खतरनाक है, इस पर विशेषज्ञ गंगाखेडकर ने बताया कि मलेशियाई स्ट्रेन न्यूरोलॉजिकल लक्षण पैदा करता है, लेकिन बांग्लादेश का स्ट्रेन जानलेवा है और उच्च मृत्युदर वाला है।

भारत में देखा जा रहा निपाह वायरस का ये स्ट्रेन मुख्यरूप में बांग्लादेश का माना जा रहा है, जिसे अध्ययनों में संक्रामकता के मामले में तो कम पाया गया है, हालांकि, इसके कारण मृत्यु का जोखिम अधिक हो सकता है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि निपाह वायरस के मुख्यरूप से दो प्रकारों के बारे में पता चलता है, जिसमें मलेशिया और बांग्लादेश स्ट्रेन प्रमुख है। मलेशिया स्ट्रेन के कारण संक्रमित व्यक्ति से दूसरे को संक्रमण होने का खतरा कम देखा जाता रहा है। हालांकि, बांग्लादेश स्ट्रेन के कारण इसका जोखिम अधिक हो सकता है।

कोविड-१९ महामारी के दौरान सरकारी ब्रीफिंग के दौरान भारत की शीर्ष चिकित्सा अनुसंधान एजेंसी का चेहरा रहे गंगाखेडकर का मानना है कि निपाह वायरस के रहस्य को सुलझाना, पहले मरीज तक पहुंचना, वायरस की उत्पत्ति का पता लगाना, उत्पत्ति से जुड़ी घटनाओं को जोड़ना है, उस पहले मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों का पता लगाना- एक 'क्राइम थ्रिलर' के रहस्यों से पर्दा उठते हुए देखने जैसा है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 19 सितंबर 2023

महाराष्ट्र के सामने बड़ा संकट

जल भंडारण के चौंकाने वाले आंकड़ों के सामने किस जिले की क्या स्थिति?

पुणे: राज्य के 358 तालुकाओं में से लगभग 95 तालुकाओं के बांधों में 20 प्रतिशत से भी कम जल भंडारण बचा है. इससे इन तालुकों में पानी की स्थिति खराब हो गई है. राज्य में फिलहाल 68 फीसदी जल भंडारण है, जो पिछले साल से 20 फीसदी कम है. सांगली, सोलापुर, नगर, बीड, छत्रपति संभाजीनगर और धाराशिव जिलों में सूखे का खतरा बढ़ रहा है और इन तालुकों में पानी का भंडारण बहुत कम है, जिससे चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई है। जुलाई के बाद से राज्य में लगातार भारी बारिश नहीं हुई है. हालाँकि विदर्भ, मराठवाड़ा और पश्चिम महाराष्ट्र में कभी-कभार बारिश हुई, लेकिन इसकी तीव्रता बांधों में जल भंडारण बढ़ाने के लिए पर्याप्त नहीं थी। अगस्त के बरसाती मौसम और अब सितंबर के पहले पखवाड़े में प्रदेश में बारिश का उलटफेर देखने को मिला है। हालांकि कुछ जिलों में छिटपुट बारिश हुई है, लेकिन जल संसाधन विभाग ने पाया है कि राज्य के कुछ जिलों में बारिश की स्थिति पिछले साल की तुलना में खराब है.

पीएमपी की सीएनजी और वातानुकूलित ई-बसें अब किराये पर उपलब्ध होंगी; प्रशासन द्वारा प्रकाशित अनुबंध टैरिफ, जानिए टैरिफ

राज्य में 358 तालुका हैं। जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, उनमें से 95 तालुकाओं में जल भंडार कम है और जल संसाधन शून्य से 19 प्रतिशत तक हैं। पुणे संभाग में पुरंदर, बारामती, दौंड; इसके अलावा, मान, खाटव तालुका में जल भंडारण कम है। सोलापुर जिले में हालात सबसे खराब हैं. सोलापुर जिले के अक्कलकोट, बार्शी, करमाला, मालशिरस, उत्तरी सोलापुर, दक्षिण सोलापुर तालुकों में पानी की स्थिति चिंताजनक है। जल संसाधन विभाग ने कहा कि नगर, सांगली, परभणी, छत्रपति संभाजीनगर, बीड, लातूर, बुलढाणा, जलगांव, जालना, धाराशिव जिलों के कई तालुकों में पानी का भंडार कम है।

राशन कीट में छपे भगवान गणेश के चित्र का अपमान नही सहेगा हिंदुस्तान

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) हाल ही में गणेश चतुर्थी त्योहार को देखते हुए राज्य की जनता के लिए राशनिंग दुकानों में प्लास्टिक के थैली में छपे भगवान गणेश का चित्र रास्ते में रेशनिंग उपभोगताओ द्वारा उपयोग के बाद रहवासीय परिसर की कचरा पेटी या सड़क में इधर उधर पड़ा रहने का मामला उजागर होते है । सपा शिवाजीनगर तालुका कमिटी के कार्यकर्ताओ ने शिवाजीनगर सिगनल पर बड़ी संख्या में जमा होकर राज्य सरकार के राशनिंग कीट पर भगवान गणेश का चित्र लगाने को लेकर जमकर नारे बाजी कर विरोध जताया है। गौरतलब हो की विरोध प्रदर्शन के मुख्य आयोजन सपा शिवाजीनगर तालुका की ओर से अयोजन किया गया था। वहीं जम्मू जमीर कुरैशी ने

कहा की भले ही हम मुसलमान है पर हम किसी भी धर्म का अपमान बर्दास्त नही करेंगे। गणेश भगवान सिर्फ हिंदुओ के भगवान नहीं है बल्की हमारे लिए भी सम्मानीय है।

हम भी सभी धर्मो का सम्मान करते है। राशनिंग उपभागताओ द्वारा इस गणेश भगवान का फोटो वाला थैली को सार्वजनिक स्थान पर न फेंकने की अपील हम सभी धर्म समुदाए की जनता से करते है। वहीं राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार से मान करते हुए कहते है की राशनिंग कीट में लगे भगवान गणेश का प्रचार हेतु लगाया फोटो हटाकर भगवान का अपमान होने से बचाया। दूसरी ओर सपा युवा नेता इरफान खान ने कहा की भगवान का अपमान खुदा पर आकीदात रखने वाला मुस्लमान कभी भगवान गणेश का अपमान नही होने देगा। वही हम राज्य खाद्य आपूर्ति मंत्री का ध्यान आकृष्ट करवाकर कीट की थैली बदली करने की मांग करते है ।उपरोक्त अवसर पर सपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओ में शुमार जम्मू जमीर कुरैशी, युवाजन सभा के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह, इरफान खान सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित हुए ।

माहिम में गेस्ट हाउस में मृत मिला 33 वर्षीय व्यक्ति, जांच जारी

मुंबई: सोमवार को मुंबई के एक गेस्ट हाउस के एक कमरे में 33 वर्षीय व्यक्ति का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। मृतक की पहचान मोहम्मद शादाब शेख के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच के बाद शरीर पर कोई निशान नहीं मिला। यह घटना माहिम के रॉयल गेस्ट हाउस में हुई।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया. शव को आगे की जांच के लिए भेज दिया गया है. मामले की जांच चल रही है.

मुंबई मेट्रो यात्रियों के लिए अच्छी खबर
कनेक्टिविटी को लेकर अहम फैसला

मुंबई: देश की आर्थिक राजधानी और तेजी से विकास की नई मंजिलें तय करने वाला शहर कहे जाने वाले मुंबईकरों का सफर आसान होने वाला है। आने वाले दिनों में मुंबई में नई मेट्रो लाइनें शुरू होने वाली हैं। इससे जाहिर तौर पर मुंबईकरों की यात्रा की गति बढ़ जाएगी। हालाँकि, इन मेट्रो स्टेशनों तक आने-जाने में कई बाधाएँ हैं। इस संबंध में मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी यानी एमएमआरटीए ने एक अहम फैसला लिया है। एमएमआरटीए ने उपनगरीय मुंबई में 28 मेट्रो स्टेशनों के बाहर शेयरिंग रिक्शा और शेयरिंग टैक्सी स्टैंड की अनुमति दी है। इसलिए मुंबईकरों के लिए मेट्रो स्टेशनों और वहां से वांछित गंतव्य तक का सफर आसान हो जाएगा। शुरूआत में यहां छह महीने के लिए पायलट आधार पर शेयरिंग रिक्शा और टैक्सी सेवाएं शुरू की जाएंगी। शेयरिंग रिक्शा और टैक्सी चालकों के प्रसार से संबंधित मेट्रो रेल स्टेशनों के आसपास ट्रैफिक जाम हो सकता है। इसलिए, एमएमआरटीए ने शुरूआत में इस परियोजना को पायलट आधार पर लागू करने का निर्णय लिया है।

हम मेट्रो स्टेशनों के बाहर रिक्शा और टैक्सियों को साझा करने की व्यवहार्यता की जांच करेंगे। 'एमएमआरटीए' के एक अधिकारी ने कहा, इसके बाद, यदि शेयरिंग रिक्शा और टैक्सियों से संबंधित क्षेत्रों में यातायात की समस्या नहीं होती है, तो हम मेट्रो स्टेशनों के आसपास रिक्शा और टैक्सी स्टैंड शुरू करने की अनुमति देंगे। 'एमएमआरटीए' ने इन रिक्शा और टैक्सी स्टैंडों के लिए 28 मेट्रो स्टेशनों की पहचान की है जिन्हें पायलट आधार पर शुरू किया जाएगा। इनमें से कुछ मेट्रो स्टेशनों के लिए रिक्शा और टैक्सियों के लिए तीन मार्ग और उच्च यातायात वाले मेट्रो स्टेशनों के लिए एक मार्ग निर्दिष्ट किया जाएगा। 'एमएमआरटीए' द्वारा जल्द ही 40 से अधिक शेयर रिक्शा-टैक्सी मार्गों की सूची जारी की जाएगी। ये स्थान मेट्रो स्टेशनों या घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्रों के नजदीक कार्यालय स्थान होने की संभावना है। यह सेवा वसोर्वा से घाटकोपर तक मेट्रो लाइन पर आठ स्टेशनों से शुरू की जाएगी। इसके अलावा मेट्रो-2ए के रूट पर अंधेरी वेस्ट से दहिसर तक शेयरिंग रिक्शा-टैक्सी सेवा भी शुरू की जाएगी, साथ ही गुंडवली से दहिसर तक मेट्रो लाइन पर स्टेशनों के बाहर भी शेयरिंग रिक्शा-टैक्सी सेवा शुरू की जाएगी।

नासिक जिले के चंदवाड इलाके में कार-कंटेनर की टक्कर में 4 लोगों की मौके पर मौत

मुंबई। नासिक जिले के चंदवाड इलाके में नमोकार तीर्थ के सामने कार-कंटेनर की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही चंदवाड़ पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की छानबीन कर रही है.

पुलिस के अनुसार धुले जिले में भाजपा पार्षद किरण हरिश्चंद्र अहिरराव अपने तीन साथियों के साथ नासिक से धुले की ओर कार से जा रहे थे. आज सुबह चंदवाड़ इलाके में नमोकार तीर्थ के सामने उनकी कार कंटेनर से टकरा गई. घटना में किरण हरिश्चंद्र अहिराव, अनिल विष्णु पाटिल, कृष्णकांत चिंधा माली और प्रवीण मधुकर पवार की मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही चंदवाड़ ढङ्की स्टेशन की टीम और सोमा टोलवेज कंपनी के कार्यकर्ता मौके पहुंचे और मदद कार्य कर रहे हैं.

नवी मुंबई: एनएमएमसी ने बेलापुर स्थित अपने मुख्यालय में इंजीनियर दिवस मनाया

नवी मुंबई, नगर निगम (एनएमएमसी) प्रशासन ने बेलापुर स्थित अपने मुख्यालय में इंजीनियर दिवस आयोजित किया। नागरिक प्रमुख राजेश नार्वेकर ने राष्ट्र निर्माण में इंजीनियरों के योगदान को मान्यता दी। उन्होंने इस अवसर पर सभी इंजीनियरों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर, नार्वेकर के अलावा, अतिरिक्त आयुक्त सुजाता ढोले और विजयकुमार म्हासले, कार्यक्रम के अध्यक्ष और शहर अभियंता संजय देसाई, पूर्व शहर अभियंता सुरेंद्र पाटिल, और अतिरिक्त शहर अभियंता शिरीष अराडवाड और विभिन्न विभाग प्रमुखों ने इंजीनियरों की एक बड़ी सभा को संबोधित किया।

इंजीनियर दिवस को महान हिरोजी इंदुलकर द्वारा रायगढ़ किले के निर्माण के वास्तुशिल्प चमत्कार के रूप में भी मनाया जाता है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि को इंजीनियरिंग के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में स्वीकार किया गया और आयुक्तों ने इसकी सराहना की। श्री एम. विश्वेश्वरैया, जिनका योगदान सिंध प्रांत से लेकर कर्नाटक तक था, ने विभिन्न जिम्मेदारियाँ निभाईं और महाराष्ट्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसकी आयुक्तों ने सराहना की।

शहर को आकार देने में इंजीनियरों के महत्व को पहचानते हुए, आयुक्तों ने नवी मुंबई की शहरी सुविधाओं में इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किए गए योगदान पर गर्व व्यक्त किया। हवाई अड्डों, समुद्री संपर्क सड़कों और डेटा केंद्रों जैसी आधुनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शहर की क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगी। इन परियोजनाओं में इंजीनियरिंग विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com